भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3226
31 मार्च, 2022 को उत्तर दिए जाने के लिए

'डीप ओशन मिशन' के अंतर्गत परिकल्पित गतिविधियां

3226. श्री संजय सेठ:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) 'डीप ओशन मिशन' के विभिन्न घटकों का और इसके अंतर्गत परिकल्पित प्रस्तावित गतिविधियों का ब्यौरा क्या है;
(ख) अब तक कितनी राशि संस्वीकृत और आवंटित की गई है;
(ग) क्या यह सच है कि हिंद महासागर क्षेत्र में खनिजों, ऊर्जा की विशाल क्षमता है पानी के नीचे की दुनिया की समुद्री विविधता का अभी भी पूर्णरूपेण पता नहीं लग पाया है;
(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ङ) सरकार व्यवस्थित और समयबद्ध तरीके से अपने अभीष्ट लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए क्या कदम उठा रही है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) डीप ओशन मिशन एक बहु-मंत्रालयी, बहु-विषयक कार्यक्रम है जिसमें गहरे समुद्र में प्रौद्योगिकी के विकास पर जोर दिया गया है इसमें गहरे समुद्र में खनन के लिए प्रौद्योगिकियों के साथ 6000 मीटर पानी की गहराई के लिए मानवयुक्त सबमर्सिबल का विकास, गहरे-समुद्री खनिज संसाधन और समुद्री जैव विविधता, समुद्र की खोज के लिए एक अनुसंधान पोत का अधिग्रहण, समुद्री जलवायु परिवर्तन परामर्शी सेवाओं का विकास, गहन समुद्र प्रेक्षण, और समुद्री जीव विज्ञान में क्षमता निर्माण शामिल हैं। डीप ओशन मिशन के अलग-अलग घटक इस प्रकार हैं:

- गहरे समुद्र में खनन, मानवयुक्त सबमर्सिबल और अन्तर्जलीय रोबोटिक्स के लिए प्रौद्योगिकियों का विकास।
- महासागर जलवायु परिवर्तन परामर्शी सेवाओं का विकास,
- गहरे समुद्र में जैव विविधता की खोज और संरक्षण के लिए तकनीकी नवाचार,
- गहरे समुद्र में सर्वेक्षण और अन्वेषण,
- समुद्र से ऊर्जा और पेय जल।
- समुद्री जीव विज्ञान के लिए उन्नत समुद्री स्टेशन।

(ख) डीप ओशन मिशन (डीओएम) की पांच वर्ष (2021-2026) की अवधि के लिए कुल अनुमानित लागत 4077 करोड़ रुपये है। वित्तीय वर्ष 2021-2022 के लिए 150 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

(ग) जी हाँ।

(घ) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय अंतर्राष्ट्रीय समुद्र तल प्राधिकरण (आईएसए) के साथ संविदात्मक समझौतों के माध्यम से, मध्य हिंद महासागर बेसिन में पॉली-मेटालिक नोड्यूल्स (पीएमएन) और मध्य एवं दक्षिण पश्चिम भारतीय रिज के कुछ हिस्सों में पॉली-मेटालिक सल्फाइड्स (पीएमएस) के लिए अन्वेषण गतिविधियां कर रहा है। प्रारंभिक अनुमान से संकेत मिलता है कि मध्य हिंद महासागर बेसिन में पॉली-मेटालिक नोड्यूल्स की खोज के लिए 75000 वर्ग किमी के आवंटित क्षेत्र के भीतर कॉपर, निकल, कोबाल्ट और मैंगनीज युक्त पॉलीमेटेलिक नोड्यूल के 380 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) उपलब्ध हैं।

(ङ) डीप ओशन मिशन के प्रभावी और तेज प्रबंधन के लिए, परियोजना की देखरेख और उद्देश्यों को पूरा करने के लिए निम्नलिखित प्रबंधन प्रणाली मौजूद है:

- मिशन संचालन समिति (एमएससी),
- डीप ओशन काउंसिल (डीओसी),
- मिशन प्रबंधन परिषद (एमएमसी) और
- परियोजना परामर्शी समितियां (पीएसी)

*****